मेरी , तुम्हारी हम सबकी प्यारी,
उमरीगर शाला है सबसे निराली।
हमारी पाठशाला है सबसे न्यारी।।
सूर्यपुर में तापी तट पर,
उमरीगर शाला उमरा घाट पर।
सर्व धर्म समभाव से ज्ञान-गंगोत्री बहाती,
हरियाली गोद में चुस्त तन-मन कराती।।१।।
वैज्ञानिक युग में उज्ज्वल पथ दिखाती,
तकनीकी से ज्ञान प्रसारण कराती।
सत्य नीति सदाचार से,
भारत के भावि को संवारती।।२।।
छात्र से राष्ट्र उन्नति तक के,
कर्तव्य की राहबर है बनती।
ज्ञान दीप जलाकर अज्ञान हटाती,
आत्म श्रद्धा जगाकर हौंसला बढ़ाती।।३।।
आओ सब गुण गान गाएं ,
उमरीगर शाला का मान बढ़ाएं।
मेरी , तुम्हारी,हम सब की प्यारी,
उमरीगर शाला है सब से निराली।
हमारी पाठशाला है सब से न्यारी।।४।।

-दिपाली लोटीआ (एम.ए.बी.एड.)
म.शि.गु.मा.प्रा.वि.